वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पुणे 411 007

संख्या : 7-Xxii(17) हि.प.स/20 वाँ अंक | दिनांक: 09.02.2024

संस्थान की हिन्दी पत्रिका "सहविद्या"के बीसवें (छ:माही अंक अक्टूबर 2023 से मार्च 2024) अंक के प्रकाशन हेतु भाव-दर आमंत्रित करने बाबत।

संस्थान अपनी छ:माही हिंदी पत्रिका "सहविद्या" के 20 वें (छ:माही अंक अक्टूबर 2023 से मार्च 2024) अंक का प्रकाशन कर रही है। इस पत्रिका के छपाई आदि के लिए भाव-दर आमंत्रित किया जाता है।

पत्रिका के प्रकाशन के संबंध में विवरणी निम्न प्रकार है-

1. पत्रिका (ए4 डेमी) साइज की होगी तथा इसके कुल पृष्ठों की संख्या कवर पृष्ठ सहित 60 तक हो सकती है । पृष्ठों की संख्या कम या अधिक भी हो सकती है।
2. पत्रिका के कवर पृष्ठों का चार रंगो में छपाई जिसमें आवरण पृष्ठों के आंतरिक भाग पर रंगीन फोटोग्राफ की छपाई तथा पत्रिका के मुख्य कवर पृष्ठ का डिजाईन तैयार करना व प्लास्टिक कोटिंग सहित छपाई।
3. पत्रिका में कुल 06 गणमान्य व्यक्तियों / पदाधिकारियों के संदेश को, रंगीन फोटोग्राफ के साथ छपाई तथा डिजाईन तैयार करना।
4. पत्रिका की सम्पूर्ण सामग्री की छपाई एक रंग में की जानी है।
5. कवर पृष्ठ की छपाई के लिए 300 जीसीएम आर्ट पेपर तथा आंतरिक पृष्ठों के लिए 125 जीसीएम आर्ट पेपर का प्रयोग किया जाना है।
6. पत्रिका के प्रतियों की कुल संख्या 100 होगी।
7. इसका पीडीएफ वर्जन डीजीटल स्वरूप में मेल/ सीडी द्वारा उपलब्ध कराना होगा ताकि इसे ई-पत्रिका के रुप में अपलोड किया जा सके।
8. कृपया अपने भाव-दर निम्न प्रारुप में देने का कष्ट करें।

प्रतियों की संख्या	भाव-दर (सभी प्रकार के टैक्स सहित)
उपर्युक्त शर्तो के अनुरूप पत्रिका के कुल पृष्ठ (एक रंग तथा 4 रंग के पृष्ठों का उल्लेख करते हुए) 100 प्रतियों के लॉट के छपाई कार्य का भावदर सभी तरह के कर (टैक्स) सहित दिया जाए। नोट : कृपया 1 पान (2 पृष्ठ) के 100 प्रतियों के लिए रंगीन व श्याम –श्वेत दोनों के भाव दर को अलग से भी दर्शाएं ताकि पृष्ठों की संख्या (पानों की संख्या) घट-बढ़ / होने पर भाव दर में आसानी से अनुपातिक रूप में घट-बढ़ किया जा सके।	

आपके भावदर छपाई में प्रयुक्त किए जाने वाले कागज के नमूने के साथ 20 फरवरी, मंगलवार, सायं 05.00 बजे तक निबंधक अथवा श्री. एम.के.मिश्र, संपादक के पास बंद लिफाफे में अवश्य पहुँच जाना चाहिए। निर्धारित समय के बाद प्राप्त भावदर को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गिरीश माँगलिक

(गिरीश माँगलिक)
प्रधान संपादक / निबंधक (प्र)